

ज्योतषि और भवषियवाणी

वविरण: यह पाठ ज्योतषि और भवषियवाणी और उन पर इस्लामी आदेश की व्याख्या करेगा।

द्वारा Imam Mufti (© 2016 NewMuslims.com)

प्रकाशति हुआ 08 Nov 2022 - अंतमि बार संशोधति 07 Nov 2022

श्रेणी: पाठ > [इस्लामी मान्यताएं](#) > [आस्था के अनुच्छेद](#)

उद्देश्य

- वभिन्नि प्रकार की सामान्य भवषियवाणियों के बारे में जानना।
- भवषियवाणी में जनिन् की भूमिका को समझना।
- भवषिय बताने वालो के पास जाना और उन पर वशिवास करने की गंभीरता को समझना।
- ज्योतषि और राशफिल और उन पर इस्लामी आदेश के बारे में जानना।

अरबी शब्द

- [\[?\]\[?\]\[?\]\[?\]](#) - अल्लाह की एक रचना जो मानवजाति से पहले धुआं रहति आग से बनाई गई थी। उन्हें कभी-कभी आत्मा, बंशी, पोल्टरजसिट, प्रेत आदि के रूप में संदर्भति किया जाता है।
- [\[?\]\[?\]\[?\]\[?\]](#) - एक ऐसा शब्द जिसका अर्थ है अल्लाह के साथ भागीदारों को जोड़ना, या अल्लाह के अलावा किसी अन्य को दैवीय बताना, या यह वशिवास करना कि अल्लाह के सिवा किसी अन्य में शक्ति है या वो नुकसान या फायदा पहुंचा सकता है।
- [\[?\]\[?\]\[?\]\[?\]](#) - अवशिवास।
- [\[?\]\[?\]\[?\]\[?\]](#) - प्रभुत्व, नाम और गुणों के संबंध में और पूजा की जाने के अधिकार में अल्लाह की एकता और वशिष्टता।

जो लोग इन 'कलाओं' का अभ्यास करते हैं, उन्हें अक्सर भाग्य बताने वाला, भवषिय बताने वाला, भवषियवक्ता, दैवज्ञ, ज्योतषि और हस्तरेखावदि कहा जाता है। वे अक्सर भवषिय के ज्ञान का दावा करते हैं और वभिन्नि तरीकों और माध्यमों का उपयोग करते हैं जनिसे वे अपनी जानकारी निकालने का दावा करते हैं, जैसे चाय की पत्तियों को पढ़ना, रेखाएं खींचना, संख्याएं लिखना, हाथ पढ़ना, कुंडली बनाना, क्रिस्टल बॉल देखना, हड्डियों को खड़खड़ाना, और डंडियां फेंकना।



क्या वे वास्तव में जानते हैं कि वे क्या दावा कर रहे हैं?

1. उनमें से कुछ को वास्तविक ज्ञान नहीं है। वे अर्थहीन अनुष्ठानों की एक श्रृंखला करते हैं और फिर गणना कर के सामान्य अनुमान लगाते हैं। उनके कुछ अनुमान सच्चाई से मेल खा सकते हैं। लोग उन कुछ भविष्यवाणियों को याद करते हैं जो सच हो जाती हैं और कई के बारे में भूल जाते हैं जो सच नहीं होती हैं।
2. एक अन्य समूह का संपर्क जन्निन से होता है। इसमें आमतौर पर शरिफ का गंभीर पाप शामिल होता है, और इसमें शामिल लोग अपनी जानकारी में अधिक सटीक होते हैं।

जन्निन की भूमिका

पाप और अविश्वास में अपने मानवीय भागीदारों की सहायता करने के लिए धर्म में नषिद्ध अनैतिक कृत्यों को करके दुष्ट जन्निन को अक्सर बुलाया जा सकता है। भविष्य बताने वाले जब जन्निन से संपर्क करते हैं, तो जन्निन उन्हें भविष्य में होने वाली कुछ घटनाओं के बारे में बता सकता है। पैगंबर (उन पर अल्लाह की दया और आशीर्वाद हो) ने बताया कि कैसे जन्निन भविष्य के बारे में जानकारी इकट्ठा करते हैं। उन्होंने बताया कि जन्निन सबसे नचिले आसमान तक पहुंच कर भविष्य के बारे में कुछ सूचनाओं को सुनते थे, जिसके बारे में स्वर्गदूत आपस में बातें करते थे। फिर वे पृथ्वी पर लौट आते और अपने मानवीय संपर्कों को जानकारी देते (बुखारी)। इससे यह स्पष्ट होता है कि जन्निनों को भविष्य का ज्ञान नहीं है, बल्कि वे स्वर्गदूतों से सुनी हुई बातों को सुन लेते हैं; वास्तव में, स्वर्गदूतों को भी स्वयं इसका कोई ज्ञान नहीं होता है जब तक कि अल्लाह उन्हें इसके बारे में न बताये।

जन्निन एक अन्य प्रणाली के माध्यम से अपने मानवीय संपर्क को भविष्य की सूचना देने में भी सक्षम हैं। जब कोई भविष्य बताने वाले के पास जाता है, तो भविष्य बताने वाले का जन्निन उस आदमी के करीन (हर इंसान पर रखा गया जन्निन) से जानकारी लेता है कि उसने अपने आने से पहले क्या योजनाएं बनाई थीं। तो भविष्य बताने वाला उसे बता सकता है कि वह यह करेगा या वह करेगा, या इधर जाएगा या उधर जाएगा। इस पद्धति से, वास्तविक ज्योतिषी भी एक अजनबी के अतीत के बारे में विशद विस्तार से जानने में सक्षम होता है। वह उसके माता-पिता के नाम, उसका जन्म कहां हुआ था, और उसके बचपन के बारे में कुछ आश्चर्यचकित करने वाली बातें बता सकता है।

भविष्य बताने वालों के पास जाना

पैगंबर ने ऐसे सिद्धांत निर्धारित किए जो स्पष्ट रूप से भविष्य बताने वालों के पास जाने से मना करते हैं। उन्होंने कहा:

"जो कोई भविष्य बताने वाले के पास जाता है और उससे कुछ भी पूछता है, उसकी प्रार्थना 40 दिन और रात के लिए स्वीकार नहीं की जाएगी।" (मुस्लिम)

यह सजा है सिर्फ किसी भविष्य बताने वाले के पास जाकर और उससे जिज्ञासावश सवाल पूछने की।

भाग्य बताने वालों पर विश्वास करना

जो कोई भी भविष्य बताने वाले के पास यह मानते हुए जाता है कि वह अनदेखे और भविष्य को जानता है, उसने कुफ्र (अविश्वास) किया है। पैगंबर ने कहा:

"जो कोई भविष्य बताने वाले के पास जाता है और जो वह कहता है उस पर विश्वास करता है, उसने उस पर

अवश्वास किया है जो मुहम्मद पर प्रकट हुआ था।" (अबू दाऊद)

सर्फ अल्लाह के पास ही अनदेखी और भविष्य के बारे में जानने का गुण है, और भविष्य बताने वाले मनुष्य पर इस तरह का विश्वास करके आप अल्लाह के गुणों को किसी ओर का बनाते हैं।

यही बात उन सभी पर भी लागू होती है जो भविष्य बताने वालों की किताबें और लेख पढ़ते हैं, उन्हें इंटरनेट, रेडियो या टीवी पर सुनते हैं।

दुनिया भर में आकाशवाणी, ज्योतिषियों और इसी तरह की इस्तेमाल की जाने वाली सभी विभिन्न विधियों को मुसलमानों के लिए मना किया गया है।

हांथ की रेखा पढ़ना, आई-चिंग, फॉर्च्युन कुकी, चाय की पत्तियों के साथ-साथ राशिचक्र के संकेत और बायो-रिदिम कंप्यूटर प्रोग्राम उन सभी लोगों को बताने का दावा करते हैं जो उन पर विश्वास करते हैं। हालांकि, अल्लाह ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि सिर्फ वह ही भविष्य जानता है:

"नःसंदेह, अल्लाह ही के पास है प्रलय का ज्ञान, वही उतारता है वर्षा और जानता है जो कुछ गर्भाशयों में है और नहीं जानता कोई प्राणी कि वह क्या कमायेगा कल और नहीं जानता कोई प्राणी कि किस धरती में मरेगा। वास्तव में, अल्लाह ही सब कुछ जानने वाला, सबसे सूचित है।" (कुरआन 31:34)

ज्योतिषि

ज्योतिषि सितारों की चाल और लोगों और घटनाओं पर उनके प्रभाव के बीच संबंधों का अध्ययन है।

हाल के वर्षों में ज्योतिषि नाटकीय रूप से फैल गया है। किताबें, पत्रिकाएं और समाचार पत्र विभिन्न शीर्षकों के तहत प्रकाशित होते हैं, जैसे [?/?/?/?] [?/?/?] [?/?/?/?/?/?/?] [?/?/?] [?/?/?/?] [?/?/?]

एक सच्चे मुसलमान को ज्योतिषि से दूर रहना चाहिए क्योंकि यह सितारों, ग्रहों और पृथ्वी पर होने वाली घटनाओं के बीच के संबंध को मानता है जिसके द्वारा भविष्य की भविष्यवाणी की जा सकती है। यह अनुमानों के आधार पर अनदेखी के ज्ञान का दावा करता है जबकि ऐसा ज्ञान सिर्फ अल्लाह के पास है। सितारों और ग्रहों का उपयोग सुख, दुख, जीवन या मृत्यु के संकेतक के रूप में नहीं किया जा सकता है। महान अल्लाह कुरआन में कहता है:

"वह गैब (परोक्ष) का ज्ञानी है, अतः, वह अवगत नहीं कराता है अपने परोक्ष पर किसी को। सवाये दूत के, जिसे उसने प्रिय बना लिया है, फिर वह लगा देता है उस वही के आगे तथा उसके पीछे रक्षक।" (कुरआन 72:26-27)

ज्योतिषि में विश्वास और कुंडली का निर्माण इस्लामी शिक्षाओं के स्पष्ट विपरीत है। दोनों भविष्य के ज्ञान का दावा करते हैं। ज्योतिषि का दावा तौहीद के बिल्कुल विपरीत है जैसा कि सामान्य ज्योतिषि का है। उनका दावा है कि लोगों के व्यक्तित्व सितारों द्वारा निर्धारित होते हैं, और उनके भविष्य के कार्यों और उनके जीवन की घटनाओं को सितारों में लिखा जाता है। साधारण भविष्य बताने वाले का दावा है कि प्याले के नीचे चाय की पत्तियों का बनना या हथेली में रेखाएं उसे यही बात बताती हैं। दोनों ही मामलों में व्यक्ति अनदेखे के ज्ञान बताने के लिए निर्मित वस्तुओं के भौतिक निर्माण को पढ़ने की क्षमता का दावा करते हैं।

इस लेख का वेब पता:

<http://www.newmuslims.com/hi/lessons/314>

कॉपीराइट © 2011-2022 [NewMuslims.com](http://www.NewMuslims.com). सर्वाधिकार सुरक्षित ।

ajsultan